दुलाईवाली की कहानी

साहित्य अकादेमी की 'भारतीय साहित्य के निर्माता' (मोनोग्राफ) सीरीज का इस अर्थ में हमेशा से महत्व रहा है कि इन छोटी पुस्तिकाओं ने कई बार बड़े-बड़े आलोचनात्मक ग्रंथों की तुलना में साहित्यकारों के प्रति गंभीर विमर्श प्रस्तुत किया है। आनंद प्रकाश त्रिपाठी द्वारा लिखा गया यह विनिबंध राजेंद्र बाला घोष के समग्र अवदान और जीवन पर आधारित है, जिनका साहित्यिक नाम 'बंगमहिला' था। गुलेरी की 'उसने कहा था' की तरह ही बंगमहिला की 'दुलाईवाली' कहानी अत्यंत लोकप्रिय हुई, जिसे आज भी हिंदी कहानी की दुनिया में एक मानक माना जाता है। उनको तराशने में पंडित केदारनाथ पाठक, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी जैसे दिग्गजों ने सहायता की थी। चार अध्यायों में विभाजित यह विनिबंध उनके जीवन, सृजन परिवेश, रचना संसार, भाषा-शिल्प पर प्रकाश डालता है। उनका साहित्य मुख्य रूप से राष्ट्र प्रेम और स्वदेशी चेतना से अनुप्राणित है, जबकि वे आध्यात्मिक चेतना संपन्न महिला थीं। वे 20वीं शताब्दी की आरंभिक नियामक लेखिकाओं में से एक हैं। इस गंभीर पुस्तिका के लिए लेखक को बधाई।

यतीन्द्र मिश्र

बंगमहिला
भारतीय साहित्य के निर्माता
आनंद प्रकाश त्रिपाठी
विनिबंध
प्रथम संस्करण, 2024
साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
मूल्य : 100 रुपये